जुलम

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

{1} बुखारी व मुस्लिम;- हज़रत इबने उमर (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- जुलम कयामत के दिन जालीम के लिए सख्त अंधेरा बनेगा.

{2} मिशकात;- हज़रत औस बिन शुरहबील (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ को ये फरमाते हुवे सुना की जो शख्स किसी ज़ालिम का साथ देकर उस्को ताकत पहुंचाएगा और वो जानता है की जालिम है, तो वो इस्लाम से निकल गया. मतलब ये की जानते बूझते किसी जालिम की तरफदारी करना और उस्का साथ देना ईमान और इस्लाम के खिलाफ बात है.

{3} रिवायत मुस्लिम;- हज़रत अबू हुरैरा (रदी) से रिवायत है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया- क्या तुम जानते हो की कंगाल और मोहताज कौन है? लोगो ने कहा कंगाल हमारे यहा वो शख्स कहलाता है जिसके पास ना तो दिरहम हो और ना कोई सामान,

आपﷺ ने फरमाया- मेरी उम्मत का कंगाल और मोहताज वो है जो कयामत के दिन अपनी नमाज, रोजे और जकात के साथ अल्लाह के पास हाजीर होगा और उस्की साथ-साथ उसने दुनिया में किसी को गाली दी होगी, किसी पर तोहमत लगाई होगी, किसी का माल मार खाया होगा, किसी को कतल किया होगा, किसी को नाहक मारा होगा, तो इन तमाम मजलूमो में इस्की नेकिया बाट दी जाएगी, फिर इस्की नेकिया खतम हो जाएगी, और मजलूमो के हक बाकी रहे तो उन्की गलतिया इसके हिसाब में डाल दी जाएगी फिर इसे जहन्नम में फेक दिया जाएगा. इस रिवायत के जरिया आपﷺ हुकूकल इबाद की एहमियत वाजेह फरमा रहे है इसलिए अल्लाह के हक अदा करने वालो को चाहिए की वो बन्दो का हक ना मारे, वरना ये नमाज, रोजे और दूसरे नेक काम सब खतरे में पड जाएगे.

{4} मिश्कात;- हज़रत अली (रदी) से रिवायत है की मजलूम की आह (हाय) लेने से रोका गया है, वो अल्लाह के दरबार में तुम्हारे जुलम की कहानी बयान करेगा और अल्लाह इन्साफ करने वाले है, वो किसी हक वाले को उस्के हक से महरूम नहीं करते, और इस वजह से वो जालीम को मुख्तलीफ किस्म की आफतो और बेचेनियो में मुब्तला करेगा.